

डा. मनोज कुमार  
संयुक्त निदेशक

पत्रांक : 16-1/2019-20 / 437270  
दिनांक : 13 दिसम्बर, 2019 4374

सेवा में

निदेशक  
उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण उ०प्र०  
2-सप्रू मार्ग, लखनऊ (उ०प्र०)।

विषय : आलू की फसल में पिछेता झुलसा बीमारी के सम्बन्ध में।  
महोदय

संस्थान को प्रगतिशील किसानों के द्वारा उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जनपद में कुछ स्थानों (ब्रह्मपुर, कमालगंज) पर पिछेता झुलसा का प्रकोप होने की सूचना प्राप्त हुई है। अतः आप से अनुरोध है कि आप अपने स्तर पर उपलब्ध प्रचार-प्रसार के साधनों का प्रयोग करके समस्त किसान भाइयों को इस बीमारी से फसल सुरक्षा करने की सूचना दें। साथ ही साथ, किसान भाइयों को यह भी सलाह दे, कि आवश्यकता होने पर ही सिचाई करे ताकि खेतों में अत्यधिक नमी न बने। फर्रुखाबाद के आस-पास के जनपदों के किसानों को भी पिछेता झुलसा के प्रति सचेत करे।

जिन किसान भाइयों ने आलू की फसल में अभी तक फफूंदनाशक दवा का पर्णीय छिड़काव नहीं किया है या जिनकी आलू की फसल में अभी पिछेता झुलसा बीमारी प्रकट नहीं हुई है, उन सभी किसान भाइयों को यह सलाह दी जाती है कि वे मैन्कोजेब/प्रोपीनेब/क्लोरोथैलोंनील युक्त फफूंदनाशक दवा का रोग सुग्राही किस्मों पर 0.2-0.25 प्रतिशत की दर से अर्थात् 2.0-2.5 किलोग्राम दवा 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर छिड़काव तुरन्त करें। साथ ही साथ यह भी सलाह दी जाती है कि जिन खेतों में बीमारी प्रकट हो चुकी हो उनमें किसी भी फफूंदनाशक - साईमोक्सेनिल + मैन्कोजेब का 3.0 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर (1000 लीटर पानी) की दर से अथवा फेनोमिडोन + मैन्कोजेब का 3.0 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर (1000 लीटर पानी) की दर से अथवा डाईमथोमार्फ 1.0 किग्रा. + मैन्कोजेब 2.0 किग्रा. (कुल मिश्रण 3.0 किग्रा.) प्रति हैक्टेयर (1000 लीटर पानी) की दर से छिड़काव करें।

फफूंदनाशक को दस दिन के अन्तराल पर दोहराया जा सकता है। लेकिन बीमारी की तीव्रता के आधार पर इस अन्तराल को घटाया या बढ़ाया जा सकता है। किसान भाइयों को इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि एक ही फफूंदनाशक का बार-बार छिड़काव ना करें।

भवदीय

मनोज कुमार  
(मनोज कुमार)

014